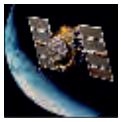

अध्याय 2 लेखापरीक्षा के कार्य–क्षेत्र

लेखापरीक्षा के कार्य-क्षेत्र

2.1 एनआरएससी के गतिविधियों की निष्पादन लेखापरीक्षा (पीए) जिसमें 2003–04 से 2008–09 अर्थात् छः वर्षों को शामिल किया गया था, का संचालन जून 2008 से मई 2009 के बीच किया गया। हमने परियोजनाओं के महत्व के आधार पर कुल 348 परियोजनाओं (132 सरकारी परियोजनाएं तथा 216 प्रयोक्ता परियोजनाएं) में से, 105 परियोजनाओं (45 सरकारी परियोजनाएं तथा 60 प्रयोक्ता परियोजनाएं) का चयन लेखापरीक्षा जांच के लिए किया।

हमने इस मामले की जांच क्यों की

2.2 सुदूर संवेदन देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो कृषि, जल संसाधन, शहरी विकास, आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में देश के संसाधनों के कुशल प्रबंधन में मदद करता है। एनआरएससी, राष्ट्रीय प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन प्रणाली (एनएनआरएमएस), जो योजना आयोग का एक निकाय है, के एक भाग के रूप में राष्ट्रीय महत्व वाली सुदूर संवेदन अनुप्रयोग परियोजनाओं का उत्तरदायित्व लेती है। आगे, सात उपग्रहों और उससे संबंधित अन्य कार्यक्रमों में ₹ 2206 करोड़[5] का पर्याप्त निवेश हुआ था। हमने एनआरएससी का चयन निष्पादन लेखापरीक्षा के लिए किया क्योंकि एनआरएससी डिजाइन, विकास, प्राप्ति, देश में सुदूर संवेदन उपग्रहों के प्रक्षेपण एवं उपयोग से जुड़ी गतिविधियों की श्रृंखला की महत्वपूर्ण इकाई थी।

लेखापरीक्षा का उद्देश्य

2.3 हमारे लेखापरीक्षा के उद्देश्य थे:

1. सुदूर संवेदन उपग्रहों के उपयोग, सुदूर संवेदन डाटा के अधिग्रहण एवं प्रसंस्करण के प्रभावशीलता का आंकलन करना।
2. क्या डाटा उत्पादों की बिक्री राजस्व को उच्च सीमा तक ले जाने का परिणाम थी, का आंकलन करना।
3. हवाई सुदूर संवेदन और परियोजनाओं के समय पर समापन के प्रभावशीलता का आंकलन करना।
4. क्या सुदूर संवेदन अनुप्रयोग परियोजनाएं कृषि, जल संसाधन, शहरी विकास, आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में राष्ट्रीय संसाधनों के कुशल प्रबंधन में मदद कर रही थी, का आंकलन करना।
5. क्या डाटा उत्पादों के प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए सुदूर संवेदन पर पर्याप्त प्रशिक्षण किया गया था, का आंकलन करना।
6. क्या वित्तीय प्रबंधन एनआरएससी को अपनी अधिदेशित गतिविधियों को पूरा करने में प्रभावी रूप से मददगार था, का आंकलन करना।

[5] वर्ष 2003–08 के दौरान, परिचालन में सात उपग्रहों की लागत ₹ 1469 करोड़ तथा भू अवलोकन कार्यक्रम पर ₹ 737 करोड़ का व्यय।

लेखापरीक्षा का मापदंड

2.4 हमने निम्नलिखित में से निष्पादन मूल्यांकन के मापदंड प्राप्त किए:

- एनआरएससी के शासी निकाय, इसकी वित्तीय उप–समिति, भू अवलोकन कार्यक्रम की योजना समिति तथा परियोजना समन्वय समिति के द्वारा जारी निर्देश।
- परियोजनाओं की गतिविधियों के अनुबंध, उपग्रह निष्पादन के अपेक्षित परिणाम तथा घोषित उद्देश्य।
- वार्षिक बजट, पंच वर्षीय योजनाएं, लेखीय मानक, लागत नीति, आत्म–निर्वाह नीति, सुदूर संवेदन डाटा नीति इत्यादि।

लेखापरीक्षा की कार्यप्रणाली तथा नमूने का चयन

2.5 निष्पादन लेखापरीक्षा शुरू करने से पूर्व, हमने 20 जून 2008 को आयोजित प्रवेश सम्मेलन में एनआरएससी के साथ लेखापरीक्षा के कार्यक्षेत्र, उद्देश्यों, तथा मापदंडों पर चर्चा की। हमने जून 2008 से मई 2009 की अवधि के दौरान चयनित परियोजना फाइलों की जांच की तथा डाटा उत्पादों का विश्लेषण किया। हमने अपने निष्कर्षों को मई 2009 में जवाब के लिए डीओएस को भेजा। जुलाई 2009 में, उनके जवाब की प्राप्ति के बाद, निष्कर्षों तथा अनुशंसाओं की चर्चा के लिए हमने निकास सम्मेलन का दिसंबर 2009 में किया। एनआरएससी ने फरवरी 2010 में निष्कर्षों एवं अनुशंसाओं के लिए अपने जवाबों को प्रस्तुत किया। हमने प्रतिवेदन में उपयुक्त रूप से एनआरएससी के जवाबों को समाविष्ट किया है। हमारी अधिकांश अनुशंसाएं एनआरएससी के द्वारा स्वीकृत की गई है तथा इन अनुशंसाओं को कार्यान्वित करने के लिए एक कारवाई योजना भी प्रस्तावित की गई है।

अभिस्वीकृति

2.6 हम निष्पादन लेखापरीक्षा के विभिन्न चरणों में एनआरएससी तथा डीओएस/आईएसआरओ के प्रबंधन के द्वारा प्राप्त सहयोग व सहायता को स्वीकार करते हैं।

लेखापरीक्षा निष्कर्षों का व्यवस्थापन

2.7 हमारी लेखापरीक्षा जांच परिणामों, निष्कर्षों, एनआरएससी/डीओएस की प्रतिक्रियाएं, हमारी अनुशंसाएं तथा उन पर एनआरएससी के कार्ययोजना की चर्चा आगे इस प्रतिवेदन के अध्याय 3 से 8 में की गई है।

इस प्रतिवेदन के अध्याय 3 में सुदूर संवेदन उपग्रहों की क्षमता का उपयोग, इन उपग्रहों से प्रतिफल, आवश्यकता मूल्यांकन, डाटा का अग्रिहण तथा प्रसंस्करण से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई है। जबकि अध्याय 4 में घरेलू एवं अंतराष्ट्रीय प्रयोक्ताओं को डाटा उत्पादों की बिक्री को शामिल किया गया है, अध्याय 5 में हवाई सुदूर संवेदन परियोजनाओं को पूरा करने में एनआरएससी की कुशलता से संबंधित विषयों को जाहिर किया गया है। इस प्रतिवेदन के अध्याय 6 में एनआरएससी द्वारा शुरू किए गए सुदूर संवेदन अनुप्रयोग परियोजनाओं के कार्यान्वयन से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई है। अध्याय 7 में सुदूर संवेदन में प्रशिक्षण से संबंधित विषयों को शामिल किया गया है और अध्याय 8 में वित्तीय प्रबंधन विषयों पर चर्चा की गई है।